दैनिक भास्कर

उज्जैन सिटी

सूर्यास्त (गुरुवार) 7.10 बजे
सूर्योदय (शुक्रवार) 5.53 बजे

दैनिक भास्कर वार 00 सितंबर, 2020

सबसे मुश्किल वक्त में सबसे आगे खड़े रहे ग्रेसिम उद्योग ने दिया मानवता का नया मंत्र

समाज शास्त्र

सबसे बड़ी जरूरत- भूख... इसके लिए लोगों तक राशन के पैकेट भिजवाए।

अर्थ शास्त्र

दूसरी जरूरत- पैसा... इसके लिए रोजगार के साधन उपलब्ध करवाए।

...और भूगोल

तीसरी जरूरत- सुरक्षा... लोगों के घर-गांव को सैनेटाइज करवाया।

कोविड 19 को उद्योग का जवाब

राशन, महिला सशक्तिकरण और रक्षा का वचन निभाया, जागरूकता के लिए अभियान चलाया

द रियल कोरोना वारियर्स....

कोरोना जैसे महासंकट के दौर में आदित्य बिड़ला समूह की नागदा स्थित ग्रेसिम इंडस्ट्रीज की भूमिका सराहनीय रही है। उद्योग ने 25 मार्च से लगे लॉकडाऊन के बाद से ही कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत अपने दायित्व और कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन किया है। गांव-गांव तक कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जागरुकता अभियान चलाकर लाऊडस्पीकर के माध्यम से ग्रामीणों को सचेत कर उन्हें इस संकट की घड़ी में जीवन जीने का हूनर भी सिखाया। उद्योग के ग्रेसिम ग्रामीण विकास विभाग की टीम ने टकरावदा, परमारखेड़ी,भगतपुरी, किलोड़िया, नायन, गिदगढ़, भीमपुरा, निपानिया, खजूरिया, दिवेल, चंदोड़िया, कलसी, झिरमिरा, गिंदवानिया, डाबड़ी, अटलावदा, निनावटखेड़ा, भाटीसुड़ा, झांझाखेड़ी सहित संपूर्ण नागदा शहर में सैंकड़ों टन सोडियम हाइपोक्लोराइट का छिड़काव कराया। 21 गांवों और शहरी क्षेत्र की स्लम बस्तियों में घर-घर पहुंचकर 10 हजार से अधिक मॉस्क का वितरण किया। आफत की घड़ी में ग्रेसिम उद्योग के यूनिट हेड के. सुरेश सेवा कार्यों की निरंतर निगरानी कर यह भी सुनिश्चित करते रहे कि किसी भी तरह से कोरोना संक्रमण का व्यापक असर को रोका जा सके। ग्रेसिम ग्रामीण विकास विभाग की टीम हर उस परिवार तक पहुंची जो लॉकडाऊन की वजह से आजीविका नहीं चला पा रहा था। कारण शहरी क्षेत्र में तो सामाजिक संस्थाएं विभिन्न माध्यमों से जरुरतमंदों तक भोजन और राशन दोनों पहुंचा रही थी। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रेसिम ने मोर्चा संभालकर इन संस्थाओं और सरकार दोनों को अप्रत्यक्ष रुप से सहयोग कर 33 गांवों, शहरी क्षेत्र की स्लम बस्तियों में 925 राशन किट पहुंचाई। हर किट में 11 तरह की खाद्य सामग्री दी गई। 50 कोरोना वारियर्स को लॉकडाऊन अवधि में प्रतिदिन भोजन के पैकेट पहुंचाए। 10 महिलाओं का एक ग्रुप बनाकर इनसे 18 हजार 500 मॉस्क तैयार कराकर उद्योग के कर्मचारियों में वितरित किए गए। इस प्रकल्प में महिलाओं को रोजगार तो मिला ही लॉकडाऊन से आजीविका के संकट से जूझ रहे परिवार का आत्मसम्मान कायम रख उनकी परेशानियां को दूर करने में भी ग्रेसिम ने बड़ी भूमिका निभाई। सरकार के आयुष विभाग के सहयोग से गांव-गांव में त्रिकूटा आयुर्वेदिक चूर्ण का काढ़ा/होम्योपैथ दवा की किट बनाकर 3500 परिवारों तक पहुंचाई। साथ ही कोरोना से बचाव की प्रतिरोधक दवा 3700 से अधिक परिवारों तक पहुंचाई गई। इसके साथ ही विभिन्न सरकारी कार्यालयों में सैनिटाइजर कैबिन, सैनिटाइजर प्रदान किए। समूह की सहयोगी इकाई ग्रेसिम केमिकल डिविजन द्वारा तैयार सैंकड़ों टन सैनिटाइजर प्रदेश के विभिन्न शहरों के नगरीय निकायों को निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। वर्तमान में भी कोरोना से लड़ाई में ग्रेसिम स्टेपल फायबर डिविजन विभिन्न माध्यमों से निरंतर सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रहा है।

आपदा में भी लोग सुकून महसूस कर सके, क्योंकि ग्रेसिम ने उन्हें अकेला नहीं छोड़ा

प्रार्थना सभा में कर्मचारियों को कोरोना संक्रमण से लड़ने के लिए निर्देशित करते हुए अधिकारी

ग्रामीणजनों को कोरोना बचाव का जानकारी पत्र वितरित करते हुए

सेवा देते चिकित्सा एवं कोरोना महामारी से बचाव हेतु प्रचार वाहन

कोरोना महामारी से बचाव हेतु कर्मचारियों से चर्चा करते अधिकारी

नगर में कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु मुनादी कर लोगों को जागरुक किया गया

कोरोना योद्धाओं को संक्रमण से बचाने के लिए सैनेटाइजर चेम्बर बनाया

कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु पेमप्लेट का वितरण किया गया

कोरोना से बचाव हेतु सैनेटाइजर का उपयोग करते कर्मचारीगण

शासकीय विद्यालय को सैनेटाइज करते हुए

ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु मास्क का वितरण करते हुए

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्यकर्मी जाँच करते हुए

कोरोना महामारी से बचाव एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिए निर्देशित करते अधिकारी

अनुशासन का प्रस्तुत किया उदाहरण

ग्रेसिम प्रबंधन ने अपने अधिकारियों, कर्मचारियों को संक्रमण से बचाने के लिए काफी सख्त नियम बनाएं। जिसमें किसी तरह का भेदभाव नहीं करते हुए बड़े से लेकर पद में छोटे कर्मचारियों तक से कराया गया। उद्योग में प्रवेश से पहले थर्मल स्क्रीनिंग, मेडिकल चेकअप, सैनिटाइज जैसे विभिन्न चरण बनाए गए, जिससे बगैर स्क्रीनिंग के किसी भी व्यक्ति को उद्योग में प्रवेश नहीं दिया गया। शहर से बाहर जाने वाले, कटेंटमेंट जोन में जाने अथवा वहां से लौटने अधिकारी कर्मचारियों को नियमानुसार 14 दिन के लिए क्वारेंटाइन किया गया। प्रबंधन ने यहां तक सुविधा दी कि अगर किसी अधिकारी-कर्मचारी के यहां कोई मेहमान आएं तो संबंधित कर्मचारी उद्योग के गेस्ट हाऊस में रहकर ड्यूटी कर सकता है। कड़े अनुशासन का परिणाम यह रहा कि सैंकड़ों कर्मचारियों के ड्यूटी पर रहने के बाद भी यहां से संक्रमण फैलने का एक भी मामला सामने नहीं आया।

मुख्य गेट किया लॉक, विजिटर्स से भी उद्योग परिसर से बाहर की मुलाकात

अधिकारी-कर्मचारियों को संक्रमण से बचाने के लिए प्रबंधन ने विभिन्न सुरक्षा मानक भी बनाएं। उद्योग के भीतर किसी भी बाहरी वाहन के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए त्रिमूति गेट को सील कर दिया। आवश्यक होने पर शासन के अधिकारी अथवा विशिष्ट विजिटर्स से भी प्रबंधकीय अधिकारियों ने उद्योग के गेस्ट हाऊस में मुलाकात की। साथ ही औद्योगिक परिसर के हर गेट पर थर्मल स्क्रीनिंग, सैनिटाइजर्स और मॉस्क भी रखे गए ताकि संक्रमण की 1 प्रतिशत गुजांइश पर भी अंकुश लग सके।

जनसेवा में सुचारु रखा उपचार

लॉकडाऊन अवधि में जब शहर के निजी क्लीनिक और नर्सिंग होम मरीजों का उपचार करने से आशंकित थे। इस विषम हालातों में भी उद्योग के जनसेवा हॉस्पीटल में डॉक्टरों और स्टाफ को सभी सुरक्षा साधनों से लैस कर ओपीडी को निरंतर चालू रखा गया।

ग्रेसिम उद्योग ने ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना महामारी से बचाव हेतु मास्क एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया

ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड नागदा के इकाई प्रमुख के.सुरेश के मार्गदर्शन एवं मानव संसाधन विभाग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष योगेन्द्रसिंह रघुवंशी की देखरेख में संचालित कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत ग्रेसिम उद्योग द्वारा वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण कोविड-19 के क्षेत्र में प्रभावी नियंत्रण के लिए नागदा शहर एवं 24 ग्रामों में श्रृंखलाबद्ध जन जागरुकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम चरण में उद्योग द्वारा जन जागरुकता कार्यक्रम के अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर संक्रमण व बचाव के लिए मार्गदर्शन पोस्टरों को लगवाया गया तथा साउंड सिस्टम के माध्यम से जन सामान्य को जागरुक करने हेतु प्रचार-प्रसार किया गया। साथ ही संक्रमण के बचाव की जानकारी के पर्चे छपवा कर वितरित किए गए। द्वितीय चरण में कोरोना से बचाव के

घर-घर जाकर स्केनिंग करते हुए स्वास्थ्य कर्मचारी.

कोरोना संक्रमण के बीच राशन किट का वितरण करते हुए

लिए अनुविभागीय अधिकारी आर.पी. वर्मा के निर्देशानुसार नागदा शहर एवं 25 ग्रामो को सैनिटाईज करने के लिए कैल्शियम हाईपो को छिड़काव किया गया। तृतीय चरण में 25 गांव में ग्रामीणजनों को कोरोना संक्रमण से बचाव की जानकारी प्रदान की गई। चतुर्थ चरण में प्रशासन के निग्रय अनुसार लॉकडाउन को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 25 ग्रामों में 600 गरीब निराश्रित परिवारों को राशन एवं आवश्यक सामग्री किट प्रदान की गई। इस कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित सभी ग्रामों की पंचायतों से प्राप्त ग्राम में निवासरत निराश्रित परिवार एवं अत्यंत गरीब परिवारों की सूची के आधार पर यह किट प्रदान की जा रही है ताकि लॉकडाउन से प्रभावित गरीब लोग अपने घरों में रहकर अपना जीवन व्यवस्थित तरीके से यापन कर सके। कोरोना महामारी के विरुद्ध इस जंग में उद्योग जरुरतमंदों के लिए ऐसे अभिनव प्रयास जारी रखेगा।

इम्पेक्ट फीचर